

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

हांगकांग सिक्सेस मे टीम इंडिया की करारी हार, पाकिस्तान पर जीत के बाद कुवैत ने किया बाहर

Publisher

Published on 08 Nov 2025



हांगकांग सिक्सेस क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम का सफर उम्मीदों के विपरीत बेहद निराशाजनक ढंग से खत्म हो गया। पाकिस्तान पर रोमांचक जीत से जहां टीम इंडिया ने अपने अभियान की जोरदार शुरुआत की थी, वहीं अगले ही मुकाबले में कुवैत के हाथों मिली करारी हार ने भारत को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह हार न केवल टीम के प्रदर्शन पर बल्कि खिलाड़ियों की मानसिकता और रवैये पर भी सवाल खड़े करती है।

शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में दिनेश कार्तिक की कप्तानी में भारत ने पाकिस्तान को DLS मेथड के तहत दो रनों से हराया था। इस मैच में रॉबिन उथप्पा और भरत चिपली ने शानदार पारियां खेलीं। उथप्पा ने 28 रन और चिपली ने 24 रन बनाए, जिससे भारत ने मुश्किल परिस्थितियों में जीत दर्ज की। यह जीत भारत के लिए खास इसलिए भी थी क्योंकि टूर्नामेंट में पाकिस्तान जैसी टीम को हराना हमेशा गर्व का विषय माना जाता है।

लेकिन इस जीत का जश्न ज्यादा देर तक नहीं टिक सका। अगले ही दिन यानी शनिवार को कुवैत के खिलाफ मुकाबले में भारत को 27 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा। कुवैत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 6 ओवर में 106 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। जवाब में भारतीय बल्लेबाजों की पूरी टीम 79 रनों पर सिमट गई। इस हार के साथ ही भारत ग्रुप सी में सबसे नीचे पहुंच गया और टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

कुवैत के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और भारतीय गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किए। भारत की ओर से गेंदबाजी बेहद औसत रही, कोई भी गेंदबाज विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना सका। वहीं, बल्लेबाजी में भी टीम इंडिया का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। शुरुआती झटकों के बाद कोई भी खिलाड़ी टीम को संभाल नहीं पाया। रॉबिन उथप्पा और कार्तिक जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी रन बनाने में नाकाम रहे।

इस हार के बाद सोशल मीडिया पर क्रिकेट प्रेमियों का गुस्सा साफ देखने को मिला। खासतौर पर खिलाड़ी प्रियांक पंचाल के एक पुराने पोस्ट को लेकर विवाद छिड़ गया है। पाकिस्तान पर जीत के बाद पंचाल, जो उस मैच में नहीं खेले थे, ने सोशल मीडिया पर लिखा था — *“Defeated Pakistan. Business as usual.”* (पाकिस्तान को हराया, जैसा हमेशा होता है)। यह पोस्ट कई लोगों को टीम की विनम्रता पर सवाल उठाने के लिए मजबूर कर गया। क्रिकेट विशेषज्ञों का कहना है कि यह बयान टीम के आत्मविश्वास को अहंकार में बदलने की शुरुआत थी।

कई क्रिकेट विश्लेषकों ने माना कि पाकिस्तान पर जीत के बाद टीम ने अपनी लय खो दी। भारतीय खिलाड़ियों में उस जोश और फोकस की कमी दिखी, जो एक टूर्नामेंट जीतने के लिए जरूरी होती है। वहीं, कुवैत ने यह दिखा दिया कि छोटे देश भी बड़े मंच पर बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने न केवल भारत को हराया बल्कि अपनी रणनीति और ऊर्जा से क्रिकेट जगत को चौंका दिया।

दिनेश कार्तिक ने मैच के बाद कहा कि टीम का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। उन्होंने कहा, “हमने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार खेल दिखाया था, लेकिन कुवैत के खिलाफ हमारी गेंदबाजी और फील्डिंग में कई गलतियां हुईं। हमें इनसे सीख लेकर आगे बढ़ना होगा।”

हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट अपनी तेज़ रफ्तार और छोटे प्रारूप के लिए जाना जाता है। इसमें हर टीम को मात्र छह ओवरों में बल्लेबाजी का मौका मिलता है, जिससे मैच रोमांचक और अप्रत्याशित बन जाते हैं। इस प्रारूप में बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाना होता है और गेंदबाजों को सीमित अवसरों में विकेट लेने की चुनौती होती है।

भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह हार निराशाजनक रही, क्योंकि पाकिस्तान पर जीत के बाद उम्मीदें काफी बढ़ गई थीं। लेकिन यह हार इस बात की याद दिलाती है कि क्रिकेट में कोई भी टीम हल्के में नहीं ली जा सकती।

कुवैत की टीम ने जिस आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ खेला, उसने उन्हें इतिहास रचने का मौका दिया। वहीं, भारतीय टीम के लिए यह टूर्नामेंट आत्मचिंतन का विषय बन गया है। अब देखना यह होगा कि आने वाले महीनों में भारतीय टीम किस तरह इस हार से सबक लेकर अगले टूर्नामेंट में वापसी करती है।